Online registration for admission in CUH starts

SURESH PANCHOLI
MAHENDERGARH: The Central University Common Entrance Examination (CU-CET) 2021 results have been declared as part of the admission process at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh for the academic session 2021-22. After the results announced by the National Examination Agency (NTA) under the Ministry of Education, the process of admission to 1670 seats available in undergraduate, postgraduate and Integrated courses in the University has reached the next stage. The registration for admission counselling to Central University of Haryana will start from Tuesday, October 26. The merit list will be released after this process of registration which will continue till October 31. The Vice Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar congratulated the successful candidates of the entrance examination and wished them a bright future.

हकेवि में दाखिले हेतु पंजीकरण 26 से शुरू, सीयू-सीईटी के नतीजे घोषित

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयू-सीईटी) 2021 के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा घोषित नतीजो के बाद विश्वविद्यालय में स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में उपलब्ध 1670 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुँच गई है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग हेतु पंजीकरण मंगलवार 26 अक्टूबर से शुरू कर रहा है। 31 अक्टूबर तक चलने वाली पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी। इसके आधार पर दाखिले प्रदान किए जायेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयू-सीईटी के नोडल ऑफिसर डॉ. फूल सिंह ने बताया कि इस बार सीयू-सीईटी-2021 का आयोजन शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के द्वारा 15, 16, 23 व 24 सितम्बर, 2021 को किया गया था।

विश्वविद्यालय में उपलब्ध स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों की सीटों पर दाखिले हेतु आयोजित इस प्रवेश परीक्षा के नतीजे आने के बाद विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग हेतु पंजीकरण मंगलवार 26 अक्टूबर से शुरू हो रही है। डॉ. फूल सिंह ने कहा कि दाखिले इच्छुक आवेदक काउंसलिंग का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

हकेवि में बीवॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को मिली इंटर्नशिप

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत उपलब्ध बी.वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक अध्ययन हेतु इंटर्नशिप के अवसर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय की ओर से बिग बाजार, रिलायंस रिटेल, आदित्य बिरला फैशन एंड रिटेल के अंतर्गत विश्वविद्यालय के 32 विद्यार्थियों को इंटर्नशिप का अवसर प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत पढ़ाई, कौशल विकास व व्यावहारिक प्रशिक्षण को विशेष रूप से महत्त्व दिया गया है। विश्वविद्यालय भी नई शिक्षा नीति के इन्हीं पक्षों को केंद्र में रखते हुए निरंतर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में अग्रसर है। कुलपति ने बी.वॉक.-रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के इंटर्नशिप पाने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के समन्वयक डॉ. पवन कुमार मौर्य ने बताया कि इस इंटर्नशिप के माध्यम से विद्यार्थियों को कार्यक्षेत्र से जुड़े पक्षों को जानने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि विभाग विद्यार्थियों के प्रशिक्षण हेतु विशेष प्रयास करता है और गत वर्ष भी इसी तरह से ऑन द जॉब प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराए गए।

डॉ. पवन कुमार मौर्य ने बताया कि विद्यार्थियों को मिले इन्हीं अवसरों का नतीजा है कि कोरोना काल के मुश्किल समय में भी विद्यार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से ओम लॉजिस्टिक्स व रिलायंस रिटेल सरीखे संस्थानों में रोजगार के अवसर प्राप्त हुए। बीवॉक-रिटेल एंड लॉजिस्टिक मैनेजमेंट के सहायक आचार्य डॉ. सुयश मिश्रा ने बताया कि इस इंटर्नशिप के माध्यम से विद्यार्थियों को कार्यक्षेत्र के अनुभव और उससे संबंधित व्यावहारिक पक्षों को जानने-समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को पढ़ाई पूरी करने के बाद रोजगार की राह आसान हो जाती है।

हकेवि में दाखिले; 26 अक्टूबर से प्रारंभ पंजीकरण, सीयू-सीईटी के नतीजे घोषित

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयू-सीईटी) 2021 के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा घोषित नतीजों के बाद विश्वविद्यालय में स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में उपलब्ध 1670 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग हेतु पंजीकरण मंगलवार 26 अक्टूबर से शुरू कर रहा है। 31 अक्टूबर तक चलने वाली पंजीकरण की इस प्रक्रिया के बाद मेरिट लिस्ट जारी होगी। इसके आधार पर दाखिले प्रदान किए जायेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रवेश परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयू-सीईटी के नोडल ऑफिसर डॉ. फूल सिंह ने बताया कि इस बार सीयू-सीईटी-2021 का आयोजन शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के द्वारा 15, 16, 23 व 24 सितम्बर, 2021 को किया गया था।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों की सीटों पर दाखिले हेतु आयोजित इस प्रवेश परीक्षा के नतीजे आने के बाद विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए काउंसलिंग हेतु पंजीकरण मंगलवार 26 अक्टूबर से शुरू हो रही है। डॉ. फूल सिंह ने कहा कि दाखिले इच्छुक आवेदक काउंसलिंग का विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

हकेवि में अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण

महेन्द्रगढ़ के हकेवि में भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण करते केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर। साथ में पूर्व शिक्षामंत्री प्रो. राम बिलास शर्मा व कुलपति टंकेश्वर कुमार। -निस

महेन्द्रगढ़ (निस) : बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर सर्व समाज के मसीहा थे, उनकी विश्वविद्यालय में प्रतिमा की स्थापना युवा पीढ़ी को जाति व आर्थिक आधार पर शोषण विहीन समाज की स्थापना के लिए प्रेरित करती है। डॉ. अम्बेडकर किसी जाति व समाज के नेता नहीं बल्कि ज्ञान के प्रतीक हैं। उक्त विचार केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में स्थापित डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण करते हुए व्यक्त किए। कौशल किशोर ने विश्वविद्यालय में पुरुष छात्रावास के नए खंड का उद्घाटन व करीब 13 करोड़ की लागत से बनने वाले जलशोधन संयंत्र का शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा के पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कौशल किशोर पूर्व मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा के महेन्द्रगढ़ स्थित आवास पर भी पहुंचे जहां उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। श्री शर्मा ने कहा कि देश के विकास में नशा सबसे बड़ी बाधा है। हमें इससे दूर रहना चाहिए।

दैनिक ट्रिब्यून Sat, 23 October 2021 https://epaper.dainiktribune

ज्ञान का प्रतीक हैं बाबा साहेब डा. भीम राव आंबेडकर : कौशल किशोर

हकेंवि में केंद्रीय राज्य मंत्री ने किया बाबा साहेब की प्रतिमा का अनावरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर सर्व समाज के मसीहा थे, उनकी विश्वविद्यालय में प्रतिमा की स्थापना युवा पीढ़ी को जाति व आर्थिक आधार पर शोषण विहीन समाज की स्थापना के लिए प्रेरित करती है।

डा. आंबेडकर किसी जाति व समाज के नेता नहीं, बल्कि ज्ञान के प्रतीक हैं। उन्होंने ही भारत को वह संवैधानिक प्रणाली दी, जिसके माध्यम से देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है। डा. आंबेडकर को किसी समाज के उत्थान से अधिक संविधान में शिक्षा के मौलिक अधिकार को प्रदान करने के लिए पहचाना जाना चाहिए। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी डा. आंबेडकर, राम मनोहर लोहिया व पं. दीन दयाल उपाध्याय के दिखाए मार्ग पर अग्रसर हैं और समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा, विकास व ज्ञान पहुंचाने के लिए प्रयासरत हैं। यह विचार केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में स्थापित डा. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण करते हुए व्यक्त किए। श्री कौशल किशोर ने इस मौके पर सभी को नशा मुक्त हरियाणा, नशा मुक्त समाज व नशा मुक्त परिवार के निर्माण का संकल्प भी दिलाया।कौशल किशोर ने विश्वविद्यालय में 315 विद्यार्थियों की रहने की सुविधा वाले पुरुष छात्रावास के नए खंड का उद्घाटन व करीब 13 करोड़ की लागत से बनने वाले जलशोधन संयंत्र का शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा के पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

हरियाणा केंद्रीय विवि में स्थापित बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण करते केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर। साथ में हैं पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा ● सौ हकेंवि

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में कौशल किशोर ने देश के विकास में युवा पीढ़ी व शिक्षण संस्थानों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, सबका साथ सबका विकास की नीति का अनुसरण करते हुए विकास के पथ पर अग्रसर है। भारत जिस तरह से प्रगति के पथ पर अग्रसर है। आज हम हर घर में बिजली, नल, चूल्हा देख रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश को स्वच्छ, स्वस्थ, शिक्षित व आत्मनिर्भर बनने की दिशा अग्रसर है और वह दिन दूर नहीं जब भारत विश्व महाशक्ति के रूप में अपनी एक अलग पहचान बना लेगा। पूर्व शिक्षा मंत्री, हरियाणा सरकार प्रो. राम बिलास शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुई देश की प्रगति की ओर ध्यान आकर्षित किया। विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गुलचंद शर्मा सभागार में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना के साथ हुई। इसके पश्चात गणमान्य अतिथियों का स्वागत हुआ और कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति से अवगत कराया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय के विभिन्न उल्लेखनीय प्रयासों की जानकारी देते हुए भविष्य की योजनाओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान होने के नाते हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम मिलकर ऐसी युवा शक्ति विकसित करें जो नए भारत का निर्माण करें। कुलपति ने इस अवसर पर आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने का संकल्प दिलाया और विश्वविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन के साथ शोध, अनुसंधान, नवाचार व कौशल विकास के लिए विभिन्न सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर इस कार्य को करेंगे और सरकार व समाज की आवश्यकताओं को पूर्ण करने में सहयोग प्रदान करेंगे। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. मोनिका मलिक के निर्देशन में तैयार रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव व शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के आयोजन में अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ के अधिष्ठाता डॉ. राजेश कुमार दुबे व विद्यार्थी अक्षतकांत की भूमिका महत्वपूर्ण रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में डॉ. अम्बेडकर प्रतिमा का अनावरण आज

आवासन एवं शहरी कार्य के केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर उपस्थित रहेंगे

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार 22 अक्टूबर को बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण होने जा रहा है। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आवासन एवं शहरी कार्य के केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री प्रोफेसर रामबिलास शर्मा शामिल होंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे। कुलपति ने बताया कि इस अवसर पर मंत्री कौशल किशोर विश्वविद्यालय में नवनिर्मित पुरूष छात्रावास के नए खंड का उद्घाटन और विश्वविद्यालय में जनशोधन संयत्र का शिलान्यास भी करेंगे।

कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कौशल किशोर हमारे बीच उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि आयोजन से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 11 बजे विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा के अनावरण के साथ होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूलचंद शर्मा सभागार में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से कला, संस्कृति की झलक भी अतिथियों के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड का रास्ता हुआ साफ

नवाचार ▶ अगले एक-दो दिनों में जारी हो जाएगी अधिसूचना

एनटीसीईई ने तेज की तैयारी, नए पाठ्यक्रम में छात्रों को 12वीं के बाद ही मिलेगा दाखिला

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

गणित, विज्ञान व कामर्स जैसे विषयों के शिक्षकों की कमी खत्म होगी

इस कोर्स को लेकर एनसीटीई बहुत ज्यादा उत्साहित है। उसके मुताबिक इससे स्कूलों में गणित, विज्ञान व कामर्स जैसे विषयों के शिक्षकों की कमी खत्म हो जाएगी। मौजूदा समय में स्कूलों में गणित, विज्ञान जैसे विषयों के शिक्षकों की भारी कमी है। वैसे भी जो छात्र अभी बीएससी में दाखिला लेते हैं, वे आगे चलकर उच्च शिक्षा की ओर बढ़ जाते हैं। ऐसे में उनका फोकस स्कूल शिक्षक बनने को लेकर नहीं रहता है। इतना ही नहीं, शिक्षक पेशे की ओर मेधावी और खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को आकर्षित करने के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में छात्रवृत्ति योजना शुरू करने का भी सुझाव दिया गया है।

स्कूलों में पढ़ाने वाले विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी को खत्म करने के लिए प्रस्तावित चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड (बैचलर आफ एजुकेशन) कोर्स शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। छात्र अब 12वीं की पढ़ाई पूरी करने बाद ही बीए-बीएड और बीएससी-बीएड जैसे कोर्सों में दाखिला ले सकेंगे। इससे छात्रों का एक साल का समय भी बचेगा। साथ ही शिक्षण के क्षेत्र में शुरू से रुचि रखने के कारण आगे और फोकस होकर बेहतर काम कर सकेंगे।

छात्रों को अभी बीएड करने के लिए पहले बीए या बीएससी जैसे कोर्स करने पड़ते हैं, जिनमें तीन साल का समय लगता है। इसके अलावा बीएड भी दो साल होता है। उन्हें इन दोनों कोर्सों को करने के लिए पांच साल का समय लगता है। ऐसे में शुरू से ही यदि कोई छात्र इंटीग्रेटेड बीएड कोर्स में दाखिला लेता है, तो उसका एक साल का समय बचेगा। शिक्षा मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने इस कोर्स को शुरू करने की तैयारी तेज कर दी है। जो संकेत मिले हैं, उसके मुताबिक अगले एक-दो दिनों में ही इसकी अधिसूचना भी जारी हो जाएगी। हालांकि एनसीटीई ने अभी इस कोर्स को देश के कुछ चुनिंदा संस्थानों से ही शुरू करने की योजना बनाई है। इसमें सरकारी और निजी क्षेत्र के करीब 50 संस्थानों को शामिल किया जा सकता है। इसको लेकर हालांकि अभी मंथन चल रहा है। लेकिन एनसीटीई शुरुआत में इसे सीमित दायरे में रखना चाहता है।

एनसीटीई से जुड़े अधिकारियों की मानें तो इस कोर्स को इसी शैक्षणिक सत्र से शुरू किया जाए या फिर इसके लिए नए सत्र का इंतजार किया जाए, इस पर भी मंथन चल रहा है। जरूरत पड़ने पर इस पर सुप्रीम कोर्ट से भी मार्गदर्शन लेने की योजना है। यह योजना इसलिए बनाई गई है, क्योंकि पूर्व में सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में एनसीटीई को शैक्षणिक सत्र के बीच में होने वाले किसी बदलाव के लिए अनुमति जरूरी बताया था।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण आज होगा

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर होंगे मुख्य अतिथि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शुक्रवार 22 अक्टूबर को बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया जएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आवासन एवं शहरी कार्य के केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री प्रोफेसर रामबिलास शर्मा शामिल होंगे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार करेंगे। कुलपति ने बताया कि इस अवसर पर मंत्री कौशल किशोर विश्वविद्यालय में नवनिर्मित पुरूष छात्रावास के नए खंड का उद्घाटन और विश्वविद्यालय में जलशोधन संयत्र का शिलान्यास भी करेंगे। विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि इस मौके पर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूलचंद शर्मा सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

हकेवि में योग विभाग के छात्रों ने किया पौधरोपण

महेंद्रगढ़ | केंद्रीय विश्वविद्यालय में योग विभाग के छात्रों ने बुधवार को पौधरोपण किया। इस मौके पर स्वामी दयानंद पीठ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रोफेसर रणवीर सिंह विशेष रूप से पहुंचे। प्रोफेसर रणवीर सिंह ने विद्यार्थियों के कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमें प्रकृति को बचाने के लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए और उनका संरक्षण करना चाहिए। लिहाजा अपनी जीवन के लिए ही सही, लेकिन पेड़ जरूर लगाएं। इस मौके पर पीएचडी छात्र नीरज आर्य, अक्षय मालडा, देवेंद्र कुमार, रोहित, प्रदीप, निहाल सहित अन्य छात्र उपस्थित रहे।

हकेंवि के स्वयंसेवक शिविर में ले रहे हैं प्रशिक्षण

महेंद्रगढ़ | भारत सरकार के युवा मामले एवं खेलकूद विभाग की इकाई राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की ओर से स्वयंसेवकों के लिए हर वर्ष राज्य स्तरीय कैंप का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष यह कैंप चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद में चल रहा है। 25 अक्टूबर तक चलने वाले इस साप्ताहिक कैंप में हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों से लगभग 200 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं। इस कैंप में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय भी प्रतिभागिता कर रहा है। विश्वविद्यालय की ओर से राजनीतिक विज्ञान से पूनम, एलएलबी से योगेश और एम.कॉम. से भागीरथ प्रसाद कैंप में हिस्सा ले रहे हैं। कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार ने सात दिवसीय शिविर में स्वयंसेवकों को अपने व्यक्तित्व का विकास करके भारत के आत्मनिर्भर नागरिक बनने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि शिविर में स्वयंसेवक विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में हिस्सा ले रहे हैं।

रेडक्रास अवार्ड्स के लिए सहायक आचार्य का चयन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए इंडियन रेडक्रास सोसाइटी, हरियाणा की ओर से विशेष पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। वर्ष 2019-20 व 2020-21 के लिए इंडियन रेडक्रास सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा व सेंट जान एम्बुलेंस (इंडिया), हरियाणा की ओर से वर्ष 2019-20 के लिए विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रास शील्ड हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और यूथ रेड क्रास अवार्ड विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डा. दिनेश चहल को प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह सम्मान हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। कुलपति ने कहा कि यह सम्मान हमारी जिम्मेदारी को भी बढ़ा रहा है और यकीनन हम और अधिक उर्जा व जिम्मेदारी के साथ

सहायक आचार्य डा. दिनेश चहल ●

इस दिशा में जारी अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। विवि में यूथ रेडक्रास के कार्यक्रम संयोजक डा. दिनेश चहल ने बताया कि इस सम्मान के लिए आगामी 26 अक्तूबर को राजभवन, चंडीगढ़ में विशेष समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मान विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों के द्वारा जारी विभिन्न समाज उपयोगी प्रयासों का परिणाम है। डा. चहल ने कहा कि यह प्रयास निरंतर जारी है और इस सम्मान के प्राप्त होने से हमारा मनोबल अधिक बढ़ गया है।

शैक्षिक संघ ने जताया कुलपति के प्रति आभार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विद्यालय शैक्षिक संघ ने असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्ति प्रक्रिया में पीएचडी डिग्री की अनिवार्यता को हटाने पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का आभार व्यक्त किया है।

संविदा के आधार पर नियुक्त असिस्टेंट प्रोफेसर का वेतन भी बढ़ाने का आदेश दिया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्णय के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कुलपति का पुष्पगुच्छ देकर धन्यवाद किया।

संघ के पदाधिकारियों ने इस अवसर पर कहा कि कुलपति की ओर से विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों के हित में किए जा रहे विभिन्न प्रयासों में संघ हर संभव सहयोग के लिए तत्पर है। संवाद

गणतंत्र दिवस समारोह में चयन के लिए आयोजित शिविर का हिस्सा बने हकेंवि के विद्यार्थी

महेंद्रगढ़, 18 अक्तूबर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के 2 विद्यार्थी गणतंत्र दिवस समारोह में चयन के लिए आयोजित शिविर में प्रतिभागिता कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र उमेश और भूगोल विभाग की छात्रा पुष्पा जयपुर में आयोजित इस शिविर में हिस्सा ले रहे हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के इस चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थी अध्ययन के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े मंचों पर भी अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से विश्वविद्यालय, राज्य व देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों के उल्लेखनीय प्रदर्शन में शिक्षकों के योगदान को भी सराहा और सफलता के इस क्रम को निरंतर जारी रखने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई के समन्वयक डा. दिनेश चहल ने बताया कि पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर हेतु इन स्वयंसेवकों का चयन कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में हुए राज्य स्तर के शिविर में हुआ। इन विद्यार्थियों का चयन हरियाणा राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए करीब 250 स्वयंसेवकों में से हुआ है, जोकि एक उल्लेखनीय उपलब्धि हैं। चयन शिविर में दोनों ही स्वयंसेवकों ने दौड़, परेड, फिजिकल, सांस्कृतिक गतिविधि तथा साक्षात्कार प्रक्रिया में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी जगह बनाई।

डा. चहल ने बताया कि ये दोनों स्वयंसेवक 27 अक्तूबर तक जयपुर में लगने वाले 10 दिवसीय शिविर में 200 स्वयंसेवकों के साथ हिस्सा ले रहे हैं। इस शिविर के बाद स्वयंसेवकों का गणतंत्र दिवस के लिए लगने वाले शिविर में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

तत्पश्चात उन्हें 26 जनवरी, 2022 को राजपथ पर होने वाली परेड का हिस्सा बनने का मौका मिलेगा। इस अवसर पर स्वयंसेवक उमेश कुमार व पुष्पा परिहर ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, उप छात्रकल्याण अधिष्ठाता डॉ. आनंद शर्मा व डॉ. मोनिका मलिक का उनके सहयोग के लिए आभार व धन्यवाद व्यक्त किया।

हकेवि के दो विद्यार्थियों का गणतंत्र दिवस पर होने वाली परेड में चयन

26 जनवरी, 2022 को राजपथ पर होने वाली परेड में लेंगे भाग

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ के दो विद्यार्थी गणतंत्र दिवस समारोह में चयन के लिए आयोजित शिविर में प्रतिभागिता कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र उमेश और भूगोल विभाग की छात्रा पुष्पा जयपुर में आयोजित इस शिविर में हिस्सा ले रहे हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के इस चयन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थी अध्ययन के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े मंचों पर भी अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से विश्वविद्यालय, राज्य व देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के उल्लेखनीय प्रदर्शन में शिक्षकों के योगदान को भी सराहा और सफलता के इस क्रम को निरंतर जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के समन्वयक डॉ. दिनेश चहल ने बताया कि पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर हेतु इन स्वयंसेवकों का चयन कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में हुए राज्य स्तर के शिविर में हुआ।

इन विद्यार्थियों का चयन हरियाणा राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए करीब 250 स्वयंसेवकों में से हुआ है। जोकि एक उल्लेखनीय उपलब्धि हैं। चयन शिविर में दोनों ही स्वयंसेवकों ने दौड़, परेड, फिजिकल, सांस्कृतिक गतिविधि तथा साक्षात्कार प्रक्रिया में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी जगह बनाई। डॉ. चहल ने बताया कि ये दोनों स्वयंसेवक 27 अक्टूबर तक जयपुर में लगने वाले दस दिवसीय शिविर में 200 स्वयंसेवकों के साथ हिस्सा ले रहे हैं। इस शिविर के बाद स्वयंसेवकों का गणतंत्र दिवस के लिए लगने वाले शिविर में शामिल होने का अवसर मिलेगा। तत्पश्चात उन्हें 26 जनवरी, 2022 को राजपथ पर होने वाली परेड का हिस्सा बनने का मौका मिलेगा। इस अवसर पर स्वयंसेवक उमेश कुमार व पुष्पा परिहार ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, उप छात्रकल्याण अधिष्ठाता डॉ. आनंद शर्मा व डॉ. मोनिका मलिक का उनके सहयोग के लिए आभार व धन्यवाद व्यक्त किया।

इतिहास जानने में मददगार होगी खोज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की ओर से तिगड़ाना स्थित पुरातत्व स्थल पर जारी खोज कार्य का विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दौरा किया। विभाग के प्रभारी डा. नरेंद्र परमार ने नेतृत्व में जारी खोज कार्य में कुलपति ने कहा कि अवश्य ही भारतीय पुरातन संस्कृति के अंतर्गत विकसित नगरीय व्यवस्था के तथ्यों को जानने में मदद मिलेगी।

पुरातत्व स्थल पर खोज कार्य का किया निरीक्षण

तिगड़ाना पुरातत्व स्थल का निरीक्षण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर (चश्मे में) ● साभार हकेंवि

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा भिवानी जिले के गांव तिगड़ाना स्थित पुरातत्व स्थल पर जारी खोज कार्य का विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने निरीक्षण किया। विभाग के प्रभारी डा. नरेंद्र परमार ने नेतृत्व में जारी इस खोज कार्य के संबंध में कुलपति ने कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से भारतीय पुरातन संस्कृति के अंतर्गत विकसित नगरीय व्यवस्था व उससे जुड़े तथ्यों को जानने में मदद मिलेगी। अभी तक इस शोध कार्य के माध्यम से ज्ञात हुआ है कि हड़प्पा काल में तांबे के औजार व आभूषण प्रयोग में लाए जाते थे। तिगड़ाना में हड़प्पा कालीन फियांस की औद्योगिक इकाई उपलब्ध थी। साथ ही इस शोध कार्य में यह भी ज्ञात हुआ है कि भारत में यूरोपियन देशों से पूर्व उच्च स्तरीय तकनीक का विकास हुआ था। डा. नरेंद्र ने बताया कि शोध कार्य क्षेत्र में 5000 साल पुराने औद्योगिक व व्यापारिक पहलुओं को समाने ला रहा है। धातु, अर्धकीमती पत्थर, नगर योजना की उच्चस्तरीय तकनीक के प्रमाण मिले हैं।

विशेषज्ञ व्याख्यान का किया गया आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में बृहस्पतिवार को भारतीय सशस्त्र सेनाओं में सैन्य मनोविज्ञान की भूमिका विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में रक्षा मनोविज्ञानी अनुसंधान संस्थान (डीआइपीआर) व रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) नई दिल्ली के विज्ञानी डा. अविनाश अवस्थी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में मनोविज्ञान विभाग के विभागध्यक्ष डा. वीएन यादव ने इस आयोजन के उद्देश्य व उपयोगिता पर प्रकाश डाला और अतिथि वक्ता का स्वागत किया। कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता डा. अविनाश अवस्थी ने भारतीय सशस्त्र बलों में सैन्य मनोविज्ञान की भूमिका पर प्रकाश डाला। डीआइपीआर की कार्यप्रणाली का परिचय देते हुए उन्होंने कार्मिक चयन, सैन्यनीति, व्यवहार प्रशिक्षण, अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय सहयोग, शैक्षिक सहयोग, अनुसंधान आदि में सैन्य

भारतीय सशस्त्र सेनाओं में सैन्य मनोविज्ञान की भूमिका विषय पर आयोजित व्याख्यान को संबोधित करते विशेषज्ञ • सौ. हकेवि

मनोविज्ञान के चुनौतियों एवं अवसरों पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। आनलाइन आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षणक संस्थानों के विद्यार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम की संयोजक डा. पायल चंदेल ने मुख्य वक्ता एवं उपस्थित प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में मनोविज्ञान विभाग के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को ज्ञापन सौंपते हुए।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर को ज्ञापन सौंपा

- कोविड-19 के चलते शोधार्थियों के शोध में बाधा आई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने जारी अधिसूचना में विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मिलकर ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन विगत दिनों शिक्षा मंत्री ने विभिन्न समाचार पत्रों में दिए गए वक्तव्य से संबंधित है।

जिसमें विश्वविद्यालयों में सहायक प्रो. के पदों पर नियुक्ति हेतु पीएचडी की अनिवार्यता से छूट देते हुए इसकी अवधि को एक वर्ष तक के लिए विस्तारित कर दिया गया है। जाहिर है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों और कर्मियों की नियुक्ति हेतु मानकों के रख-रखाव संबंधी अधिनियम 2018 के अनुसार विश्वविद्यालयों में सहायक प्रो. के पदों पर सीधी भर्ती के लिए एक जुलाई 2021 से पीएचडी उपाधि अनिवार्य कर दी गई थी। जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने शिक्षा मंत्रालय के निर्देश के आलोक में एक जुलाई 2022 तक विस्तारित करने संबंधी अधिसूचना को जारी कर दिया है। अब इस अवधि विस्तार का लाभ गैर पीएचडी धारकों को भी प्राप्त हो सकेगा।

इस संबंध में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अवगत कराया था कि कोविड-19 की समस्याओं के चलते अनेक शोधार्थियों के शोध में बाधा आई है, जिस कारणवश उनका शोध कार्य भी विलंबित हुआ है और उपाधि भी प्राप्त होने में देरी हुई है।

सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति में पीएचडी जरूरी, छूट का मिले लाभ

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के तारतम्य में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मिलकर ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन विगत दिनों शिक्षा मंत्री द्वारा विभिन्न समाचार पत्रों में दिए गए वक्तव्य से संबंधित है। जिसमें विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर के पदों पर नियुक्ति हेतु पीएचडी की अनिवार्यता से छूट देते हुए इसकी अवधि को 1 वर्ष तक के लिए विस्तारित कर दिया गया है।

जाहिर है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति हेतु मानकों के रख-रखाव संबंधी) अधिनियम, 2018 के अनुसार विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर के पदों पर सीधी भर्ती के लिए 1 जुलाई, 2021 से पीएचडी उपाधि अनिवार्य कर दी गई थी। जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने शिक्षा मंत्रालय के निर्देश के आलोक में 1 जुलाई, 2022 तक विस्तारित करने संबंधी अधिसूचना को जारी कर दिया है। अब इस अवधि विस्तार का लाभ गैर-पीएचडी धारकों को भी प्राप्त हो सकेगा। इस संबंध में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अवगत कराया था कि कोविड-19 की समस्याओं के चलते अनेक शोधार्थियों के शोध में बाधा आयी है, जिस कारणवश उनका शोध कार्य भी विलंबित हुआ है और उपाधि भी प्राप्त होने में देरी हुई है। इस विकट संकट को देखते हुए संघ ने सभी शोधार्थियों और आवेदकों के हितों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय से गुहार लगाई थी। जिसे स्वीकार करते हुए मंत्री ने इस अवधि को 1 वर्ष के लिए बढ़ाने की घोषणा की थी और अति शीघ्र ही इसकी अधिसूचना भी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी कर दी गई। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ शिक्षा मंत्रालय के प्रति इस त्वरित कार्रवाई के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता है।

इस क्रम में वीरवार को शैक्षिक संघ की हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इकाई ने कुलपति को ज्ञापन दिया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा विज्ञापित पदों में भी इस छूट को शामिल किया जाए, जिससे कि गैर-पीएचडी आवेदकों को यह लाभ मिल सके। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना को विश्वविद्यालय द्वारा लागू किए जाने बाबत आश्वस्त किया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने कुलपति के सकारात्मक प्रयास के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के पतन पर जताई चिंता

महेंद्रगढ़। शोध के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के महत्व पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नासिक द्वारा बुधवार को सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला की शुरुआत की गई। उद्घाटन सत्र को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संबोधित किया।

हकेंविवि में सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक आचरण, मूल्यों के हो रहे पतन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से इस विषय पर केंद्रित पाठ्यक्रमों की उपलब्धता समय की मांग है। समाज उपयोगी शोध व अनुसंधान हेतु आवश्यक है कि उसे प्रमाणिकता के साथ पूर्ण किया जाए और इस कार्य में इस तरह की कार्यशाला का योगदान शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होता है।

यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ई वायुनंदन ने इस आयोजन में विश्वविद्यालय के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही इस साझेदारी से शोध, अनुसंधान के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों के विकास में मदद मिलेगी। उन्होंने विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु समाज, उद्योगोन्मुख अनुसंधान पर जोर दिया।

स्वागत भाषण यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ के शिक्षा पीठ की निदेशक प्रो. कविता सालुंके ने प्रस्तुत किया और कार्यशाला की रूपरेखा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता व कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, शिक्षक व शोधार्थियों की भूमिका, नैतिक मूल्य, प्लेग्रिजम व ऑनलाइन टूल्स पर केंद्रित विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जाएगा। संवाद

गणित यात्रा महेंद्रगढ़ पहुंचने पर किया स्वागत

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : बीएल शिक्षा निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल पाली में रामानुजन अमृत भारत गणित यात्रा का स्वागत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। इस दौरान मुख्यातिथि टंकेश्वर कुमार रहे उनके साथ विशिट अतिथि राजबीर प्रिंसिपल ऑफ राजकीय स्कूल आकोदा थे। मुख्यातिथि का स्वागत विद्यालय चेयरमैन नरेश सिसोठिया व डायरेक्टर रामचंद्र ने माला व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया और विद्यालय का स्मृति चिह्न भेंट किया। इसकी अध्यक्षता बीएल शिक्षा निकेतन स्कूल के प्रिंसिपल शिवराज ने की। कार्यक्रम का संचालन ऋषिपाल डायरेक्टर नेशनल काउंसिल ऑफ टीचर साईंटिस्ट हरियाणा ने किया। यात्रा गुजरात से शुरू हुई और देश के 25 राज्यों से होकर त्रिपुरा में इस यात्रा का समापन होगा। 28 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यात्रा का दिल्ली में स्वागत करेंगे और यात्रा आगे रवाना होगी। गुजरात से मेहुल व कानपुर से ब्रजेश दीक्षित ने बच्चों को गणित बताया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मुख्यातिथि व अन्य • जागरण

पंजाब केसरी
SUN,10 OCTOBER 2021
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 3

मानसिक स्वास्थ्य की सप्तशती बारे डा. पायल ने दी जानकारी

महेंद्रगढ़, 9 अक्तूबर (परमजीत, मोहन): आज के समाज में जहां हर कदम पर हमें यह अहसास होता है कि हम दूसरों से अलग हैं, फिर चाहे वह विभिन्नता जातिवादी, क्षेत्र, धर्म या कौशल कुछ भी हो, ये विभिन्नताएं जितना हमारा होना सार्थक बनाती हैं, उतना ही हमारे लिए समस्याएं भी लाती है। इस मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता दिवस पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रोफैसर पायल चंदेल ने 7 छोटे-छोटे उपाय बताए। जिनको आप रोजमर्रा के जीवन में सहज ही उतार सकते हैं एवं अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

अपने अंदर नकारात्मक विचार न आने दें

किसी भी प्रकार के कोई भी नकारात्मक विचार अपने मस्तिष्क में न आने दें, आपका मस्तिष्क बहुत उपजाऊ है आप जो भी बीज अपने मस्तिष्क में डालेंगे, तुरंत ही आपका मस्तिष्क उसकी फसल खड़ी कर देगा।

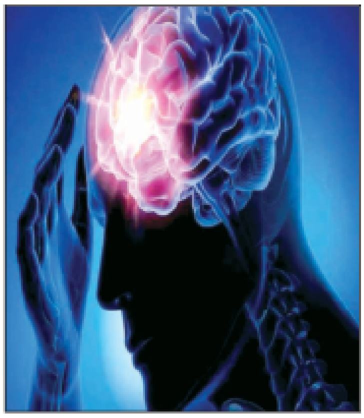

अपना जिज्ञासुपन बनाए रखें

अपने अन्दर की जिज्ञासा को कभी मरने न दें हर समय और अधिक और जानने का प्रयत्न करते रहें जब अधिक से अधिक जानने की कोशीश में हैं सीखने की कोशिश में है आपके पास और किसी बात के लिए समय ही नहीं बचेगा।

खाली न बैठें हर समय कुछ उत्पादक करें

कहावत भी है खाली दिमाग शैतान का घर, तो खाली न बैठें, अपने दिमाग को, शरीर को काम में लगाकर रखें हर समय कुछ उत्पादक करें।

दुनिया को खुद से ज्यादा महत्व न दें

आपके आसपास हर व्यक्ति महत्वपूर्ण है मगर कोई भी व्यक्ति, कोई भी रिश्ता, कोई भी समाज, स्वयं आपसे महत्वपूर्ण नहीं है, यदि आप खुद अपना ध्यान नहीं रख सकते तो आप कभी भी अपने रिश्तों का, परिवार या समाज का ध्यान नहीं रख पाएंगे।

पोषक भोजन ग्रहण करें

जैसा कि कहा गया है जैसा खाए अन्न वैसा होता मन, अपने शरीर को पोषक भोजन दें क्योंकि आप जो खाएंगे वैसे ही विचार आपके मन में आएंगे यदि आप स्वस्थ खाएंगे स्वस्थ विचार ही आपके मन में आएंगे।

अपनी बातें सांझा करें

बात करेंगे तो बात बनेगी, अपनी बात अपने तक न रखें अपनी बातें सांझा करें, बातों को मन में दबाने से मनोरोग बढ़ते हैं जो आपके जीवन को कठिन से कठिन बनाते चले जाते हैं।

यह सब करने के बाद भी आपको कहीं भी कुछ भी समस्या आए तो बेझिझक विशेषज्ञ की मदद लें, मनोवैज्ञानिक से परामर्श लें, वह उतना ही साधारण है जितना की खासी-जुकाम हो जाने पर डॉक्टर से परामर्श लेना।

व्यावहारिक ज्ञान से विद्यार्थियों को होगा फायदा : कुलपति

हरियाणा केंद्रीय विविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग ने बेकरी पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का किया आयोजन

प्रो. टंकेश्वर कुमार

संस, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग द्वारा बेकरी पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एमिटी हास्पिटैलिटी, लखनऊ के डा. गौरव ने विद्यार्थियों को बेकरी की बारीकियों से रूबरू कराया।

विभागाध्यक्ष डा. रणबीर सिंह ने बताया की बेकरी उत्पादों की मांग इन दिनों खूब है और ऐसे में यह क्षेत्र भी रोजगार की संभावनाएं समेटे हुए है। वहीं, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने विभाग को इस आयोजन के लिए शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि निश्चित ही इस तरह के व्यावहारिक ज्ञान से विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के अंत में विभाग के सहायक आचार्य विकास मोहन ने धन्यवाद ज्ञापन पेश किया। आयोजन में विद्यार्थियों के साथ-साथ पर सहायक आचार्य शिखा, डा. दिलबाग सिंह और विकास सिवाच भी उपस्थित रहे।

हरिभूमि
रोहतक -महेन्द्रगढ़
7 Oct 2021

हकेवि में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग की ओर से बैकरी पर केंद्रित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एमिटी हॉस्पिटेलिटी लखनऊ के डॉ. गौरव ने विद्यार्थियों को बैकरी की बारीकियों से रूबरू कराया। विभाग अध्यक्ष डॉ. रणबीर सिंह ने बताया कि बैकरी उत्पादों की मांग इन दिनों खूब है और यही वजह की यह क्षेत्र भी रोजगार की संभावनाएं समेटे हुए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने विभाग को इस आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

लड़का-लड़की में कोई भी अंतर नहीं : सुनीता दुग्गल

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : लड़का-लड़की में कोई अंतर नहीं है और इस बात को भलीभांति समझते हुए जीवन में सफलता के लिए अग्रसर हो। लिंग आधारित भेदभाव की समस्या गंभीर है लेकिन काफी हद तक इसका समाधान हमारी इच्छा शक्ति पर निर्भर करता है यदि हम इसके विरूद्ध खड़े हो जाते है तो कोई भी हमें सफलता की बुलंदियों को हासिल करने से रोक नहीं सकता है। बस, आवश्यकता है शारीरिक, बौद्धिक व मानसिक मजबूती की, इसलिए इस दिशा में आगे बढ़े। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ व राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा लड़कियों के व्यक्तित्व विकास पर केंद्रीय कार्यक्रम श्रृंखला के तीसरे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिरसा से लोकसभा सांसद सुश्री सुनीता दुग्गल ने व्यक्त किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज का युग सूचना तकनीक का युग है और ऐसे में छात्राओं को विकास के अधिकतम अवसर प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि वो आधुनिक भारत की बदलती जरूरतों को पूर्ण करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण को प्राप्त करें।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

विवि के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ व ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली के संयुक्त प्रयासों से कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कोरोना काल में तकनीक का उपयोग बढ़ा है।

विवि के गेट नंबर दो से दादरी तक सड़क निर्माण की जगी उम्मीद

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विश्वविद्यालय गेट नंबर एक से दादरी रोड तक पिछले चार वर्षों से अटके डेढ़ किलोमीटर सड़क के निर्माण की उम्मीद जगी है। विभाग को बार-बार पत्रचार के माध्यम से लंबित मार्ग के निर्माण को लेकर मांग उठाई थी। इसके बाद विभाग द्वारा नए सिरे से इसका एस्टीमेट बनाकर चंडीगढ़ भेजा गया है। उम्मीद है कि एक सप्ताह में इसे स्वीकृति मिल जाएगी।

बता दें कि फरवरी 2017 में इस मार्ग को चौड़ा करके दस मीटर बनाए जाने और दोनों तरफ स्ट्रीट लाइट लगाने की घोषणा मुख्यमंत्री द्वारा की गई थी। घोषणा के बावजूद पिछले चार वर्षों से इसका निर्माण नहीं हो पाया था। श्री सुंडाराम ट्रस्ट के प्रधान संदीप मालड़ा ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा बदहाल सड़क की समस्या के समाधान को लेकर विभाग के उच्चाधिकारियों से मिलकर अवगत कराया गया। लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन द्वारा अब नए सिरे से इसका एस्टीमेट बनाकर चंडीगढ़ भेजा गया है। सड़क मार्ग के चौड़ा होने और दोनों तरफ लाइट लगने से विवि के विद्यार्थियों, टीचिंग स्टाफ सहित आमजन को भी लाभ होगा। संवाद

हकेंवि में शिक्षा–समीक्षा कार्यशाला का आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत शिक्षा पीठ द्वारा शिक्षा-समीक्षा नामक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। शैक्षणिक विश्लेषण एवं तकनीकी शिक्षाशास्त्र पर केंद्रित इस कार्यशाला का उद्देश्य बीएड पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों की क्षमता विकास रहा। आनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि कोरोना काल में शिक्षण कार्य को सुचारू रूप से चलाने और विद्यार्थियों को अध्ययन हेतु मार्गदर्शन प्रदान करने की दिशा में इस तरह के आयोजन बेहद उपयोगी हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थी अवश्य ही लाभान्वित होंगे। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल आफिसर व कार्यशाला की

हकेंवि में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करती विशेषज्ञ डा. एंजेल रत्नाबाई ● साभार हकेंवि

संयोजक प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत 75 सप्ताह तक होने वाले विभिन्न आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों का ज्ञान उपलब्ध कराया जाएगा जो उनके लिए जीवन पर्यंत उपयोगी साबित होगा। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के शिक्षा विभाग की पूर्व प्रोफेसर हेमंत लता शर्मा ने प्रभावी शिक्षण के लिए शैक्षणिक विश्लेषण की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने शिक्षण प्रक्रिया में अवधारणाओं की पहचान, व्यवहार के परिणामों को सूचीबद्ध करना, गतिविधियों और प्रयोगों को सूचीबद्ध करना और मूल्यांकन प्रक्रियाओं को सूचीबद्ध करने पर भी चर्चा की। कार्यशाला की दूसरी विशेषज्ञ सीआइईटी, एनसीईआरटी, नई दिल्ली की सहायक आचार्य डा. एंजेल रत्नाबाई ने विद्यार्थियों को आनलाइन शिक्षण के उपकरण और तकनीक पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने शिक्षण-अधिगम को समृद्ध करने वाले विभिन्न प्लेटफॉर्म व उपकरणों के बारे में विस्तृत चर्चा की। विशेषज्ञ वक्ता का परिचय शिक्षा पीठ की सहायक आचार्य व कार्यक्रम समन्वयक डा. किरण रानी ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर पीठ के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

आयोजन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधार्थियों ने लिया हिस्सा

महापुरुषों के योगदान को भूलाया नहीं जा सकता : प्रो. टंकेश्वर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। गांधी जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधार्थियों व कर्मचारियों ने गांधी जी के विचारों को जाना।

मुख्यातिथि व विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारत सरकार में राज्य मंत्री कौशल किशोर व महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के प्रो. गोपाल कृष्ण ठाकुर ने अपने विचार व्यक्त कर गांधी के जीवन और उनके विचारों से अवगत कराया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत की आजादी और आजाद भारत के विकास में इन दोनों ही महापुरूषों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। अपने कर्म व विचारों के माध्यम से देश व देशवासियों को सर्वधर्म समभाव, विकास व देशभक्ति का मार्ग दिखाया। राज्य मंत्री कौशल किशोर ने युवा शक्ति को भटकने से बचाए और नशे से दूरी बेहद आवश्यक है। इस अवसर उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. आनंद शर्मा, डॉ. मोनिका सहित शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी आदि शामिल हुए।

प्राकृतिक चिकित्सा का उपचार लेते एसडीएम दिनेश कुमार। संवाद

गांधीजी प्राकृतिक चिकित्सा के सदैव पक्षधर रहे : एसडीएम

महेंद्रगढ़। महात्मा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में बुचौली रोड पर स्थित सार्वजनिक प्राकृतिक चिकित्सालय एवं योग केंद्र में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि उपमंडल अधिकारी दिनेश कुमार रहे। उन्होंने कहा कि गांधीजी प्राकृतिक चिकित्सा के सदैव पक्षधर रहे थे। इस मौके पर डॉ. कृष्णा, डॉ. सुधा, संदीप, प्रो. धर्मवीर सलोनी, किशन लाल, मनीष, केसर, शर्मिला आदि मौजूद रहे। संवाद

पौधरोपण के साथ ही शुरू होती है जिम्मेदारी : प्राचार्य बिशनदयाल

आकोदा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाली में महात्मा व लाल बहादुर की जयंती पर पौधरोपण किया गया। प्राचार्य बिशनदयाल ने कहा की महात्मा गांधी ने सत्य अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए देश को आजादी दिलाई। इस अवसर ब्रह्मदत्त, मदन सिंह, सुकेश, सुरेंद्र कुमार, बिमला देवी सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। संवाद

महेंद्रगढ़| गांधी जंयती के अवसर पर विश्वविद्यालय में हुए आयोजन स्वच्छता ही सेवा हो, नशा मुक्ति, अहिंसा परमो धर्म महात्मा गांधी के द्वारा भारत व विश्व समुदाय को दिए ऐसे विचार हैं जिनकी प्रासंगिकता व आवश्यकता मानव विकास की यात्रा में निरंतर बनी हुई हैं। गांधी जयंती के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधार्थियों व कर्मचारियों ने गांधीजी के इन्हीं विचारों को जाना। विश्वविद्यालय द्वारा इस अवसर पर आयोजित दो कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि व विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारत सरकार में राज्य मंत्री कौशल किशोर व महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के प्रो. गोपाल कृष्ण ठाकुर ने अपने विचार व्यक्त कर गांधी जी के जीवन और उनके विचारों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस कार्यक्रम का आयोजन विशिष्ठ अतिथि प्रो. नीलम सांगवान ने भी इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए इस कार्यक्रम का संयोजन स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता डॉ. राजेश कुमार दुबे, श्री अक्षत कांत ने किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन शिवम ठाकुर ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस व यूथ रेड क्रास के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने किया। पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. आनंद शर्मा, डॉ. मोनिका सहित शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी आदि शामिल हुए।

हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

नारनौल, राजेश राज गोयल,

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा ब्रिक्स फाउंडेशन नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन का मोदी सरकार की पड़ोसी देशों के साथ विदेश नीति के विभिन्न आयामों पर चर्चा के बाद समापन हुआ। समापन सत्र में विशेषज्ञों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में दिए गए भाषण का उल्लेख किया जिसमें उन्होंने कहा था कि एक राष्ट्र की नियति उसके पड़ोसी देशो से जुड़ी होती है, इसलिए हमारी सरकार ने अपने पड़ोसियों के साथ मित्रता और सहयोग को आगे बढ़ाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए दक्षिण एशियाई देशो को दिए असाधारण निमंत्रण में पड़ोस पहले की नीति भी स्पष्ट थी। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने दक्षिण एशियाई पड़ोसियों की अपनी पहली विदेश यात्रा करते हुए पड़ोस पहले के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को स्पष्ट किया। भारत की विदेश नीति की प्रकृति विश्व बंधुत्व की रही है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के संबंध में कहा कि विदेश नीति पर केंद्रित इस आयोजन में हुई चर्चा बेहद उपयोगी व सारगर्भित रही। भारत की पड़ोसी देशो के प्रति नीति अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसे अन्य देशों से अलग पहचान प्रदान करती है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

महेंद्रगढ़,(जगमार्ग न्यूज)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा ब्रिक्स फाउंडेशन नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन का मोदी सरकार की पड़ोसी देशों के साथ विदेश नीति के विभिन्न आयामों पर चर्चा के बाद समापन हुआ। समापन सत्र में विशेषज्ञों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संयुक्त

राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में दिए गए भाषण का उल्लेख किया जिसमें उन्होंने कहा था कि एक राष्ट्र की नियति उसके पडोसी देशों से जुड़ी होती है, इसलिए हमारी सरकार ने अपने पडोसियों के साथ मित्रता और सहयोग को आगे बढ़ाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए दक्षिण एशियाई देशों को दिए असाधारण निमंत्रण में पड़ोस पहले की नीति भी स्पष्ट थी। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने दक्षिण एशियाई पड़ोसियों की अपनी पहली विदेश यात्रा करते हुए पड़ोस पहले के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को स्पष्ट किया। भारत की विदेश नीति की प्रकृति विश्व बंधुत्व की रही है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन के संबंध में कहा कि विदेश नीति पर केंद्रित इस आयोजन में हुई चर्चा बेहद उपयोगी व सारगर्भित रही। भारत की प ड़ोसी देशों के प्रति नीति अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसे अन्य देशों से अलग पहचान प्रदान करती है। विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा ब्रिक्स फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग व भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में विशिष्ट अतिथि चंद्र प्रकाश भारद्वाज ने वर्तमान में अफगानिस्तान के साथ संबंधों से अपनी बात प्रारम्भ की और प ड़ोसी के साथ कैसे संबंध बनाने चाहिए, उनके साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए विषय पर प्रकाश डाला। समापन समारोह में विशेषज्ञ वक्ता प्रोफेसर श्रीप्रकाश सिंह ने भारतीय दृष्टिकोण से विदेश नीति के बारे में चर्चा की। जिसमें उन्होंने कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत के व्यवहारिक पक्ष को बताया।

हकेंविवि ने एलएंडटी इलेक्ट्रिकल ऑटोमेशन के साथ किया समझौता

ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और संजय अग्रवाल। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेविवि) महेंद्रगढ़ और एल एंड टी इलेक्ट्रिकल एंड ऑटोमेशन (एसईआईपीएल की एक इकाई) स्विच गियर ट्रेनिंग सेंटर, दिल्ली अब विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु मिलकर काम करेंगे। इस संबंध में दोनों ही संस्थानों में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर आपसी साझेदारी स्थापित की है। इस साझेदारी के अंतर्गत विद्यार्थियों के समक्ष आने वाली औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण की समस्या का निदान सुनिश्चित किया जाएगा। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत विद्यार्थियों को एलएंडटी के नई दिल्ली स्थित प्रशिक्षण केंद्र में इलेक्ट्रिकल और ऑटोमेशन, स्विचगियर का औद्योगिक प्रशिक्षण और इंटर्नशिप प्रदान की जाएगी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और एल एंड टी इलेक्ट्रिकल एंड ऑटोमेशन की ओर से संजय अग्रवाल ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य इलेक्ट्रिकल और ऑटोमेशन के क्षेत्र में नवीनतम तकनीक की सुविधा विद्यार्थियों को प्रदान करना है।

विद्यार्थियों को एलएंडटी के प्रशिक्षण केंद्र में मिलेगा प्रशिक्षण

उन्होंने कहता कि इस प्रयास के माध्यम से हमारे विद्यार्थी निरंतर बदल रही औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने ज्ञान और कौशल को समृद्ध करने में सक्षम होंगे। यह प्रयास इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, ऑटोमेशन, इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग के विद्यार्थी को विस्तृत, व्यावहारिक व औद्योगिक विस्तार प्रदान करने में मददगार साबित होगा। इस अवसर पर अवसर स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता डॉ. राजेश दुबे, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के निदेशक डॉ. विकास गर्ग, और डॉ. सुमित और एलएंडटी इलेक्ट्रिकल एंड ऑटोमेशन के प्रबंधक इंजीनियर अमित कुमार भगेल उपस्थित रहे।

हकेवि ने ऑफसेट प्रिंटर एसो. के साथ किए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार और प्रो. कमल मोहन चोपड़ा।

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ और ऑफसेट प्रिंटर एसोसिएशन (ओपीए) शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट के क्षेत्र में संसाधनों और शैक्षिक मोर्चे पर मिलकर काम करेंगे। दोनों संस्थानों ने इस संबंध में आपसी साझेदारी के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद अब विवि के शिक्षक और छात्र संयुक्त रूप से उपलब्ध औद्योगिक संसाधनों का उपयोग प्रशिक्षण और कौशल विकास के उद्देश्यों के लिए मिलकर कर सकेंगे। समझौता ज्ञापन पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने हस्ताक्षर किए, जबकि ऑफसेट प्रिंटर एसोसिएशन (ओपीए) की ओर से महासचिव प्रो. कमल मोहन चोपड़ा ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य औद्योगिक प्रशिक्षण के साथ-साथ दोनों संस्थानों के बीच अनुसंधान क्षेत्रों को साझा करने के साथ-साथ नवीनतम तकनीक में सहयोग प्रदान करना है। इस प्रयास के तहत इस क्षेत्र में नवीनतम रुझानों, औद्योगिक प्रशिक्षण और यात्राओं, इंटर्नशिप और छात्रों के प्लेसमेंट, कौशल विकास कार्यक्रम, विशेषज्ञ व्याख्यान और संकाय विकास कार्यक्रमों के अनुसार बेहतर पाठ्यक्रम डिजाइन का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। इस अवसर पर स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता डॉ. राजेश कुमार दुबे, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. एके बराल, जालंधर प्रिंटर्स एसोसिएशन के महासचिव अश्वनी के साथ विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टैक्नोलॉजी विभाग के प्रभारी संदीप बूरा, सहायक आचार्य अनिल कुंडू, शम्मी मेहरा और तरुण सिंह भी उपस्थित रहे।

विशेषज्ञों ने बालिका शिक्षा पर रखे विचार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन एवं यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक, यूके द्वारा संयुक्त रूप से अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। बालिका शिक्षा पर केंद्रित इस कार्यशाला में विशेषज्ञों ने अपने विचार विस्तार व्यक्त किए। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। हकेविवि सहायक आचार्या डॉ. रेनु यादव, वारविक विश्वविद्यालय की प्रो. एन स्टीवर्ट, डॉ. एमिली हेंडरसन ने सहयोग किया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में उच्च शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए व्यावहारिक प्रयासों पर बल दिया। उच्च शिक्षा विभाग, हरियाणा के उपनिदेशक डॉ. हेमंत वर्मा ने उच्च शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी के लिए हरियाणा सरकार की सकारात्मक पहल पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत शिक्षा पीठ की अधिष्ठाता प्रो. सारिका शर्मा ने किया। संवाद

केंद्र सरकार की विदेश नीति के विभिन्न आयामों पर हुई चर्चा

हकेविवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में जुटे विद्वान। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा सम्मेलन के दूसरे दिन भारत की पड़ोसी देशों के साथ विदेश नीति में उभरती प्रवृत्तियों पर चर्चा की। चर्चा में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय में उठाए गए कदमों तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में अपनाई जा रही नीतियों पर चर्चा की गई।

बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रो. रिपुसुदन सिंह, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. तेज प्रताप सिंह, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. संजय कुमार पांडेय, प्रो. अरविंद कुमार, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मनीष ने अपने विचार व्यक्त किए। सत्र का संचालन विवि के सह-आचार्य डॉ. शांतेष कुमार सिंह ने किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से इस आयोजन में हो रहे विमर्श को बेहद उपयोगी बताया। वक्ताओं ने भारत को विदेशी संबंधों, आर्थिक कूटनीति, आतंकवाद के खिलाफ कूटनीति, नेपाल पर चीन के बढ़ते हुए प्रभाव, अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों की प्रमुख उपागम, केंद्र सरकार एवं मनमोहन सरकार की विदेश नीतियों में विभिन्नताओं, भारत-चीन संबंधों, चीन के बढ़ते प्रभाव, भारत के समक्ष आतंकवाद एवं अलगाववाद के खतरों पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

वित्तीय साक्षरता अभियान में भाग लें शिक्षण संस्थान

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विश्वविद्यालयों और संबद्ध कॉलेजों/संस्थानों को निवेशक व वित्तीय साक्षरता अभियान में भाग लेने के लिए कहा है। इसका मकसद लोगों में वित्तीय साक्षरता व निवेश के प्रति जागरूकता के प्रसार के लिए छात्र समुदाय का उपयोग करना है।

इसके तहत अधिकतम पंजीकरण वाले विश्वविद्यालयों, कॉलेज, हाई स्कूल और हिस्सेदारी करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा। यूजीसी के सचिव प्रो. रजनीश जैन की ओर से सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को पत्र लिखा गया है। इसमें लिखा है कि कारपोरेट मामलों के मंत्रालय के अधीन निवेशक शिक्षा व संरक्षण कोष प्राधिकार द्वारा शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से निवेशक व वित्तीय साक्षरता अभियान चलाने की संभावना तलाशी जा रही है।

जानकारी के मुताबिक यह अभियान तीन महीने का होगा। इसमें राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) को जोड़ने का भी प्रस्ताव है। प्रो. रजनीश जैन ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य निवेशक जागरूकता संदेशों को फैलाने के लिए छात्र समुदाय का उपयोग करना है।

छात्र समुदाय परिवर्तन के माध्यम के रूप में कार्य और निवेशक जागरूकता संदेशों का प्रचार कर सकता है।

यूजीसी ने विश्वविद्यालयों कालेजों से कहा

अधिकतम पंजीकरण वाले उच्च शिक्षण संस्थान व स्कूल और छात्र होंगे पुरस्कृत

500 संस्थानों को जोड़ने की तैयारी

इस निवेशक व वित्तीय साक्षरता अभियान के तहत अर्ध शहरी/शहरी क्षेत्रों के 500 चुनिंदा शहरों से 500 संस्थानों (कॉलेज/संस्थान) को जोड़ने की तैयारी है। इसमें एनएसएस स्वयंसेवकों और उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्रों को कार्यक्रमों के अनुरूप उनके द्वारा की गई गतिविधियों की फोटो, मोबाइल वीडियो अपलोड किए जाएंगे।